

11/11/24

पञ्जाबली पैसा हुई, पञ्जाबली सार्थी इच्छित नहीं होते।  
पञ्जाबली सार्थी को जैसा लाली पैसा करी के पञ्जाब  
अवसर दिखे जाये, अंतिम अवसर की दिशा जा युवा  
है। बाद बाद आपोने लबाई गई, इच्छित नहीं होते।  
पञ्जाबली अन्त-हासिरी/अन्त-सैली/अन्त-तन्वी में  
सकारित की जानी है, पैसाल सुमाए होकर नंबर से  
क्रम है।

सहायक कलेक्टर एवं  
उपखण्ड अधिकारी, भूपालसागर

